the grant-in-aid is placed at the disposal of SAI for allocation to State/UT Governments. Financial assistance of Rs. 30,000/- per discipline is also made available by the Ministry for Non-Governmental Organisations, including Nehru Yuva Kendra Sangathan, for organizing District level competitions.

The State/UT level tournaments are organized by SAI in collaboration with the States/UTs. Assistance for holding the State level tournaments is provided to SAI at the rate of Rs. 50,000/- per discipline. In case of UT, this assistance is restricted to Rs. 25,000/- per disciplines. For National level tounaments, a grant of Rs. 2,50,000\- per disciplines is provided to SAI, for organizing the tournament separately for men and women in various State by rotation.

In order to broad-base games and sports in the North-Eastern States and to tap the hidden talent, which is in abundance there, the Government of India provides enhanced assistance of Rs. 50,000/- per district for district level competitions and Rs. 75,000/- per discipline for State level competition. The North-Eastern States covered under the scheme are Arunachal Pradesh, Assam, Manipur, Meghalaya, Mizoram, Nagaland, Sikkim and Tripura.

(d) No proposal has been received for release of funds from Andhra Pradesh during the last one and half year.

Re. EPF INTEREST RATE—(Contd.)

MR. CHAIRMAN: Now, Papers to be Laid on the Table. Shri Mahavir Prasad...*(Interruptions)*...

श्रीमती सुषमा स्वराज (उत्तरांचल): सभापति जी, प्रधानमंत्री जी जा रहे हैं। ...(व्यवधान)... सर, उन्हें रुकने को कहिए। उस दिन आपने कहा था ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: आ गए वापस।

श्रीमती सुषमा स्वराज: सर, दो बाते हैं। एक तो अभी जो प्रश्नकाल के समय ई॰पी॰एफ॰ का मामला उठा था, तब आपने विश्वास दिया था कि सरकार की तरफ से प्रधानमंत्री जी होंगे। इसलिए यह ई॰पी॰एफ॰ का मामला उनके सामने उठे, यह मेरी गुजारिश है।

श्री सभापति: नहीं, यह नहीं कहा था।

श्री सुरेश पचौरी: सर, आपने आश्वासन यह नहीं दिया था। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: ठीक है, ठीक है, मुझे मालूम है।

श्री सुरेश पचौरी: सर, मैं आपको करेक्ट करना चाहता हूं, आपने आश्वासन यह नहीं दिया था कि सरकार की तरफ से प्रधानमंत्री जी होंगे। आपने यह कहा था कि सरकार इस पर प्रतिक्रिया दे। ...(**व्यवधान**)...

श्रीमती सुषमा स्वराज: सरकार का मतलब, जब प्रधानमंत्री बैठे हों, तो प्रधानमंत्री से होता है। ...(**व्यवधान**)... सभापति जी, मेरा दूसरा अनुरोध यह है कि ...(**व्यवधान**)...

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE: Sir, as per rules, I have sought the permission...(*Interruptions*)... How can it be? ...(*Interruptions*)...I am also a Deputy Leader of my party in this House...(*Interruptions*) I have asked for a permission in writing ...(*Interruptions*)...

श्री सभापति: आपको समय दूंगा। अभी वह क्वैश्चन नहीं है। ...(**व्यवधान**)... Let her finish the second question. Wait for two minutes ...(*Interruptions*)... Mr. Dipankar Mukherjee, your notice is with me. I will give you a chance...(*Interruptions*)...The point to which you are referring, is not the point at issue. The point is something else...(*Interruptions*)...This is not the point. I know it very well...(*Interruptions*)...The point is something else ...(*Interruptions*)...

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE: How do you determine the priority? ...(*Interruptions*)... I have given the notice on this issue... I do not want this issue to be diluted ...(*Interruptions*)... I have given notice...(*Interruptions*)... why should it be diluted by another question? My first priority before the House is EPA ...(*Interruptions*)...

श्रीमती सुषमा स्वराज: सर, मेरा पहला अनुरोध सुन लीजिए, यह दूसरा सवाल था। ...(**व्यवधान**)...

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE: Why is this parity? She is not a Leader of the Opposition ...(*Interruptions*)...

MR CHAIRMAN: Let this matter be finished within two-three minutes ...(*Interruptions*)...

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE: I want to raise the issue of EPA. I have given notice ...(*Interruptions*)... Again, the labour issue is being diluted. I want to charge that this House stands to dilute the issue of labour ... (*Interruptions*)... Is this the way of doing it? ...(*Interruptions*)...

श्री सभापति: प्लीज, आप वोट कीजिए। ...(**व्यवधान**)...

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE: Without notice, how can the hon. Member, Shrimati Sushma Swaraj, discuss this issue? ...(*interruptions*)...This is diluting the issue ... (*Interruptions*)...

श्री सभापति: आप बैठिए। ...(व्यवधान)... सुनिए तो सही। ...(व्यवधान)... आप भी बैठिए। मैं आपकी ही बात कह रहा हूं। ...(व्यवधान)...जिस समय प्रधानमंत्री जी ने वोल्कर कमेटी के संबंध में स्टेटमेंट दिया था, उसमें क्लैरीफिकेशन नहीं किए जा सके थे। ...(व्यवधान)... मैं वही कह रहा हूं। प्रधानमंत्री जी बाहर गए थे। कल जसवन्त सिंह जी का मुझे टेलीफोन आया कि उनके जवाब कब मिलेंगे? मैंने पचौरी जी को बता दिया था। अब पचौरी जी जवाब दे ...(व्यवधान)...

श्री दीपांकर मुखर्जी: इसका मतलब जो हमारा इश्यू है। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: एक का तो जवाब आने दीजिए। ...(व्यवधान)...

श्री नीलोत्पल बसु: (पश्चिमी बंगाल) सर, हम यह जानना चाहते है कि कितनी दफा आप वोल्कर डिसकस करेंगे? क्या और कोई मसला हमारे यहां नहीं है? ...(व्यवधान)... वोल्कर कितनी बार डिसकस होगा? क्या देश में मजदूर, किसान कोई नहीं है? ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: वह तो ठीक है, लेकिन पहले इसका जवाब होने दें।

श्री दीपांकर मुखर्जी: सर, मैंने नोटिस दिया है।

श्री सभापति: मैं कब कह रहा हूं कि नोटिस नहीं मिला है। ...(व्यवधान)... पहले यह एक मैटर खत्म होने दें। ...(व्यवधान)...

श्रीमती सुषमा स्वराज: सर, शुक्रवार को जब आपने सभा स्थगित की थी, तो नेता विपक्ष बोलने के लिए खड़े हुए थे और जब सभा स्थगित हुई थी, तभी आपने कहा था ...(व्यवधान)...

श्री नीलोत्पल बसु: सर, हम गतिरोध नहीं करते हमारी बात सुनी जाए। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: एक मिनट, बैठिए। वह मैटर आज नहीं लिया जा रहा है। ...(व्यवधान)...

श्री दीपांकर मुखर्जी: पहले ई.पी.एफ., उसके बाद वोल्फर-बोल्कर या जो भी हो। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: आपके मैटर की नहीं कह रहा, उस मैटर के लिए मैं एग्री कर रहा हूँ कि उसे आज ही ले रहे हैं। कौनसा समय निश्चित कर रहे हैं, मैं उसकी इतला दूंगा। प्लीज, आप एक मिनट बैठ जाइए। Matter is over ...(व्यवधान)...

SHRI SURESH PACHOURI: With your kind permission, Sir, मुझे आपने नाम लेकर बुलाया। आप मेरी तो सुन लीजिए, सर। ...(व्यवधान)... उसके बाद कोई भी मैम्बर खड़े होकर बोले। ...(व्यवधान)...

SHRI A. VIJAYARAGHAVAN (Kerala) How can the House run like this/ ...(*Interruptions*)... How can they speak like this? ...(*Interruptions*)...

सुषमा स्वराज: पिछली बार ...(व्यवधान)...

श्री नीलोत्पल बसु: कितनी बार होगा वोल्कर पर ...(व्यवधान)... मजदूर नहीं हैं, किसान नहीं हैं देश में ...(व्यवधान)... देश में और कोई आबादी नहीं है जो कि सिर्फ वोल्कर पर ही चर्चा करनी होगी? ...(व्यवधान)...

SHRI A. VIJAYARAGHAVAN: Sir, how can they speak like this? ...(*Interruptions*)... What is this, Sir? Every day, they are making all this

*on the Volcker Report. ...(*Interruptions*)...

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE: Sir, they want to dilute the issue. ...(*Interruptions*)... They want to dilute the issue.

श्रीमती सुषमा स्वराज: सभापति जी, शुक्रवार को जब संसद स्थगित हुई थी ...(व्यवधान)... आज प्रधानमंत्री जी उपस्थित हैं ...(व्यवधान)...

श्री नीलोत्पल बसु: ये कैसे उठा सकते हैं इस मसले को? ...(व्यवधान)... आपने अलाऊ किया है ...(व्यवधान)... How are you allowing them, Sir? ...(*Interruptions*)... How many times will they speak on this?

SHRI PENUMALLI MADHU (Andhra Pradesh): Sir, we have given a notice. ...(*Interruptions*)... Sir, you have to allow us. We want to raise the issue.

श्री दीपांकर मुखर्जी: पहले ई॰पी॰एफ॰, उसके बाद कुछ और। ...(व्यवधान)...

PAPERS LAID ON THE TABLE

Reports and Accounts (2004-05) of the Process-cum-Product Development Centre, (PPDC) Meerut and related papers.

THE MINISTER OF SMALL SCALE INDUSTRIES AND MINISTER OF AGRO AND RURAL INDUSTRIES (SHRI MAHAVIR PRASAD): Sir, I lay on the table a copy each (in English and Hindi) of the following papers:

(a) Annual Report and Accounts of the Process-cum-Product Development Centre (PPDC), Meerut, for the year 2004-2005, together with the Auditor's Report on the Accounts.

(b) Statement by Government accepting the above Report. [Placed in Library. *See* No. LT-2934/05.]

*Expunged as ordered by the Chair.